B.A.-III/I[st] Paper (2011-12)

प्रथम-पत्र-पत्र भारतीय संगीत का इतिहास M.M. 50

(गायन एवं तबलावादन)

1. भारतीय संगीत का इतिहास।
2. उत्तरी एवं दक्षिणी संगीत पद्धतियों का अध्ययन।
3. सारणा चतुष्टयी
4. घराना पद्धति
5. अपने वाद्य का ऐतिहासिक विवेचन एवं संरचना विधि।
6. कण्ठ संस्कार का ज्ञान।
7. गायक के गुण – दोष।

B.A.-III/III[rd] Paper

तृतीय प्रश्न-पत्र निबन्ध M.M. 50

1. किसीएक विषय पर निबन्ध लेखन –
   A. संगीत द्वारा भावाभिव्यक्ति।
   B. ललित कलाओं में संगीत।
   C. संगीत परमानंद प्राप्ति का साधन।
   D. शिक्षण संस्थाओं में संगीत।
   E. वैज्ञानिक युग में संगीत।

(कल्पना एस० वर्मन)

B.A.-III/IInd Paper

द्वितीय प्रश्न-पत्र राग, शैली तथा ताल का अध्ययन M.M. 50

1. विभिन्न गायन शैलियाँ – ध्रुपद, प्रबन्ध, धमार, ठुमरी, टप्पा, खयाल, तराना, त्रिवट, चतुरंग, भजन, गजल, कव्वाली।
2. जाति लक्षण।
3. निम्न रागों का विस्तृत अध्ययन – पूर्ण परिचय, परस्पर तुलना, स्वर समूह द्वारा राग पहचानना, समप्रकृति रागों द्वारा तिरोभाव किया,पूर्वांग उत्तरांग स्वरों द्वारा रागों में परस्पर अन्तर ज्ञान इत्यादि।

   विस्तृत राग– राग यमन कल्याण, राग मालकौंस, राग मारूविहाग, राग ललित।

   गौणराग– राग रागेश्री, रागहिंडोल, राग जौनपुरी, राग कालिगड़ा, राग मारवा।
4. रागो में खयाल, तराना, ध्रुपद, धमार का स्वरलिपि लेखन ज्ञान।
5. तालों को बोल द्वारा पहचानना, एवं ठेका – लयकारी साहित लिखने की क्षमता।

   ताल– दीपचन्दी, जत ताल, झूमरा, आड़ा चार ताल, पंचम सवारी, सूल ताल, ~~तिलवाड़ा~~ तिलवाड़ा
6. पारिभाषिक शब्द– तान, आलाप, गमक, काकु, स्थाय।

(कल्पना एस. वर्मन)

B.A.-III

PRACTICAL

मंच प्रदर्शन M.M. 75

1. अपनी पसन्द का, पाठ्यकम के अन्तर्गत विस्तृत राग का कोई एक विलम्बित खयाल, द्रुत खयाल विभिन्न आलाप, तान साहित।
2. कोई एक भजन।

मौखिक (VIVA) M.M. 75

1. गौण राग के अन्तर्गत सभी रागो का द्रुत खयाल आलाप-तान सहित।
2. सभी रागों के परिचय का सामान्य ज्ञान।
3. राग पहचानना
4. ध्रुपद अथवा धमार लयकारी सहित।
5. तराना
6. हाथ पर ताल का ठेका लयकारी साहित।

(अल्पना रस्तोगी)

B.A.-III (2011-2012)

तबला या पखावज

M.M. 50

(स) **प्रथम प्रश्न–पत्र – संगीत शास्त्र**

1. निम्नलिखित निर्धारित तालों का विस्तृत तथा तुलनात्मक ज्ञान। पंचम सवारी, रूद्रताल, एक ताल, रूपक ताल, धमार ताल, आड़ा चौताल, लक्ष्मी ताल तथा तीव्राताल।
2. संगीत घराने (ताल वाद्यो के) की जानकारी।
3. वाद्य के इतिहास एवं वाद्य सम्बन्धी तकनीक एवं कौशल ज्ञान।
4. वादन शैलियाँ (बाज)।

द्वितीय प्रश्न–पत्र – संगीत शास्त्र M.M(50)

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित किसी भी ताल एवं शैली के अन्तर्गत बोल, तिहाई, परन, कायदा, टुकड़ा आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।
2. अपने प्रिय किसी भी संगीतज्ञ के व्यक्तित्व और कृतित्व का विवरण, चक्करदार, फरमायशी, एक हत्थी बोलो की लिपिबद्ध करना।

तृतीय प्रश्न–पत्र M.M. 50

गायन की ही भाँति (एक ही प्रश्न ~~पत्र~~ करना है।)

1. ललित कलाओं में संगीत का स्थान।
2. शास्त्रीय संगीत पर प्रचालित संगीत का प्रभाव।
3. संगीत द्वारा भाववाभिव्यक्ति।
4. शिक्षण संस्थाओं में संगीत।
5. वैज्ञानिक युग में संगीत का प्रचार व प्रसार।
6. संगीत परमानन्द प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ साधन।

प्रयोगात्मक M.M. 100

1. निम्नलिखित तालों में कायदा, पेशकार, गत, रेला टुकड़ा, तिहाई तथा परन, बाज व हाथ से ताली देने की क्षमता, पंचम सवारी, एक ताल, आड़ा चौताल, रूपक, धमार और व्रीवा।

(कल्पना एस० आर्य)